www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

कभी कभार होने वाले वास्कुलिटिक बीमारियां

के संस्करण 2016

1. वास्कुलाइटिस क्या है?

1.1यह क्या है?

वास्कुलाइटिस रक्तवाहिनी का प्रज्वलन है। वास्कुलाइटिस बीमारियों का एक समूह है। `प्राइमरी'का मतलब है कि बिना किसी अन्य बीमारी के रक्तवाहिनी प्रभावित है। वास्कुलाइटीडीएस का विवरण रक्तवाहिनी के नाप व प्रकार पर निर्भर करता हे। विभिन्न प्रकार के वास्कुअलटिसि हैं जो हलके से जानलेवा हो सकते हैं। ये बीमारी समूह बहुत दुर्लभ है यानि कि यह बीमारियां कभी कभार देखी जाती हैं।

1.2 यह कितनी आम है?

कुछ वास्कुलाइटिस बच्चों मैं अक्सर पाये जाते हैं (जैसे हनोक-शोलाइन परपूरा व कावासाकी बीमारी), जबकि अन्य बहुत दुर्लभ हैं।कभी कभी तो माता -पिता ने वास्कुलाइटिस का नाम अपने बच्चे की बीमारी होने से पहले सुना ही नहीं होता। हनोक-शोलाइन परपूरा व कावासाकी बीमारी का विवरण अलग जगह दिया गया है।

1.3 इस बीमारी के क्या कारण है? क्या ये माता-पिता से बच्चों में आ सकती है? क्या ये सक्रमण की बीमारी है? क्या इसका बचाव संभव है?

प्राइमरी वास्कुलिटीडीएस प्राय परिवार में नहीं होती हैं। प्राय परिवार में एक बच्चा ही प्रभावित होता है और बच्चों में होने की संभावना ना के बराबर है। यह लगता है कि कई कारण इस बीमारी के होने में सम्मिलित हैं। यह माना जाता है कि कीटाणु ,जीन्स व वातावरण इस बीमारी के होने में भागीदार हैं ।

नही, ये सक्रमण की बीमारी नही है। इसका बचाव संभव नहीं है। इन बिमारियों को जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता है पर इन पर काबू पाया जा सकता है -मतलब की इनके लक्षण दूर हो जाते हैं.इस स्थिति को '"रेमिशन" कहते हैं।

1.4 रक्तवाहिनी को वास्कुलिटिस में क्या होता है ?

शरीर की प्रतिरक्षा शक्ति रकत वाहिनी पर वार कराती हे जिससे उनमे सूजन आ जाती है और वह ख़राब हो जाती हैं। खून का दौरा कम हो जाता है व उनमे खून जम सकता है। रक्त वाहिनी की सूजन के साथ इसके कारण रकत वाहिनी सिकुड़ या बंद हो जाती है।

रक्त वाहिनी में खून के कण जमा हो जाते हैं जो रकत वाहिनी व आस पास को ख़राब करते हैं। इन को बीओप्सी में देखा जा सकता है।

रक्त वाहिनी से पानी बहार रिसने लगता है और आस पास सूजन पैदा करता है। इन कारणों से इन बीमारियों मैं तरह तरह के चकते चमड़ी पर हो जाते हैं

रक्त वाहिनी सिकुड़ने के कारण खून का दौरा कम होने से व कभी कभी धमनी के फटने के कारण आस पास के टिश्यू ख़राब हो जाते हैं। अहंम अंगों को खून देने वाली रक्त वाहिनी ख़राब होने से दिमाग़, फेफड़े ,दिल व गुर्दे पर गंभीर असर पड़ सकता है। फैले हुऐ वास्कुलिटिस मे प्रज्जवलन के अनेक कण रक्त में पाये जाते हैं जो बुखार , थकन व खून के जाँच में प्रज्जवलन को प्रदर्शित करने वाले टेस्ट: ई स आर व सी रिएक्टिव प्रोटीन (सी आर पी) को प्रभावित करते हैं। बड़ी रक्त वाहिनियों की खराबी देखने के लिए एंजियोग्राफी (एक तरह का एक्सरे जिसमे रक्त वाहिनियों को देखा जा सकता है।